नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विश्वविद्यालय ने 17 वर्षों में हासिल की अनेक उपलब्धियां- कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

हिंदी समय, समाजविज्ञान कोश, केंद्रीय विद्यालय, हिंदी शिक्षण प्रशिक्षण केंद्र उपलब्धियों में हैं प्रमुख

वर्धा दि. 28: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय ने पिछले 17 वर्षों में अकादमिक गतिविधियों के साथ-साथ शिक्षा के विभिन्न उपक्रमों में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। आने वाले दिनों में विश्वविद्यालय में नए पाठ्यक्रमों के साथ अनेक उपक्रमों को प्रारंभ किया जाएगा। विश्वविद्यालय में केंद्रीय विद्यालय, हिंदी शिक्षण प्रशिक्षण

केंद्र की शुरूआत तथा बी. एड. एम.बी.ए. आदि पाठ्यक्रम का प्रारंभ इस वर्ष की ठोस उपलब्धियां रही है। देशभर के विद्यार्थियों के अलावा चीन, थाइलैंड, श्रीलंका, न्यूजीलैंड, मॉरिशस आदि देशों के विद्यार्थी विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं। अब यह विश्वविद्यालय सही मायनों में अंतरराष्ट्रीय के चरितार्थ को पूरा करने जा रहा है। उक्त बातें

विश्वविद्यालय के 18वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित पत्र-परिषद में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने

सोमवार को पत्रकारों के साथ सांझा की। पत्र-परिषद में मुद्रित तथा इलेक्टॉनिक मीडिया के पत्रकारों के साथ कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, प्रो. सूरज पालीवाल, प्रो. सुरेश शर्मा, प्रो. अनिल कुमार राय, बी. एस. मिरगे, अमित विश्वास उपस्थित थे।

कुलपति की बैठक कक्ष में आयोजित पत्र-परिषद में प्रो. मिश्र ने पत्रकारों को विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि हिंदी समय वेबसाइट अब लाखों हिंदी प्रेमियों की पसंद बनी हुई है। इस वेबसाइट पर लगभग चार लाख पृष्ठ अपलोड किए गए हैं जिसे कोई भी पाठक नि:शुल्क अपलोड कर सकता है। इसे हर

रोज चार हजार से अधिक लोग देखते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी की सेवा में कार्यरत अहिंदी भाषी साहित्यकारों को हिंदी सेवी सम्मान प्रदान किया जाता है और इस वर्ष मराठी भाषी डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे, जयराम गंगाधर फगरे

तथा डॉ. छाया पाटील को यह सम्मान दिया जाएगा। इसके अलावा ओडिया की साहित्यकार प्रो. यशोधारा मिश्र और हिंदी की प्रख्यात कथाकार चित्रा मुदगल को इस अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित समाजविज्ञान कोश के अलावा प्रौद्योगिकी के माध्यम से हिंदी के विकास को लेकर विश्वविद्यालय की अनेक योजनाओं की जानकारी पत्रकारों को दी।

हिंदी विश्वविद्यालयाची 17 वर्षात शैक्षणिक क्षेत्रात आगेकुच -कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र

हिंदी समय, समाजविज्ञान कोश, केंद्रीय विद्यालय, हिंदी शिक्षण प्रशिक्षण केंद्र महत्वाची उपलब्धी

वर्धा दि. 28: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाने गेल्या 17 वर्षात शैक्षणिक क्षेत्रात अनेक प्रकारच्या योजना सुरू केल्या असून एक नवा कीर्तीमान स्थापन केला आहे. पुढील वर्षी आणखी नवे अभ्यासक्रम आणि उपक्रम सुरू करण्यात येणार असून हे विश्वविद्यालय महात्मा गांधी आणि विनोबा भावे यांच्या पावनभूमीत देश आणि विदेशात महत्वाचे स्थान निर्माण करत आहे असे प्रतिपादन कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी सोमवारी 18व्या स्थापना दिनाच्या निमित्ताने आयोजित पत्रकार परिषदेत केले. ते म्हणाले विश्वविद्यालयाने केंद्रीय विद्यालय, हिंदी शिक्षण प्रशिक्षण केंद्र सुरू करत बी. एड., एम.बी.ए. सारखे अभ्यासक्रम या वर्षातील महत्वाची कामगिरी केली आहे. देशातील विविध राज्यातील विद्यार्थ्यांसह चीन, थायलंड, श्रीलंका, न्यूझीलंड, मॉरिशस या देशातून विद्यार्थ्यांचा ओढा वाढत चालला आहे. जानेवारी महिन्यात रशियातून विद्यार्थी येणार आहेत. आता हे विश्वविद्यालय आंतरराष्ट्रीय या शब्दाला चरितार्थ करत आहे असेही ते म्हणाले.

पत्रकार परिषदेला मुद्रित आणि इलेक्टॉनिक मीडियातील पत्रकारांसह कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, प्रो. सूरज पालीवाल, प्रो. सुरेश शर्मा, प्रो. अनिल कुमार राय, बी. एस. मिरगे, अमित विश्वास उपस्थित होते.

प्रो. मिश्र म्हणाले की हिंदी समय वेबसाइट आता लाखो हिंदी प्रेमी लोकांची प्रथम पसंत ठरली आहे. या वेबसाइटवर चार लाखावर पृष्ठ अपलोड करण्यात आले असून जगाच्या कोणत्याही भागात पोहोच निर्माण केली आहे. त्यावरील सामुग्री नि:शुल्क अपलोड करण्याची सुविधा उपलब्ध करण्यात आली आहे. ते म्हणाले की अहिंदी भाषी साहित्यिकांना स्थापना दिनाच्या सोहळयात सन्मानित करण्यात येते. यावर्षी मराठी साहित्यातील अग्रणी आणि हिंदी भाषेची सेवा करणारे डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे, जयराम गंगाधर फगरे तथा डॉ. छाया पाटिल यांना हिंदी सेवी सन्मान

देण्यात येणार आहे. माहिती आणि तंत्रज्ञानाच्या मदतीने विश्वविद्यालयाने हिंदीच्या विस्तारासाठी अनेक सॉफ्टवेअर विकसित केल्याची माहितीही त्यांनी दिली. यावेळी शैक्षणिक आणि पायाभूत विकासाविषयी पत्रकारांनी उपस्थित केलेल्या प्रश्नांची समर्पक उत्तरे कुलगुरू प्रो. मिश्र यांनी दिली.